Website:- www.dipronline.org
email:- projjn@rediffmail.com,

राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सदैव याद रखा जायेगा

- डॉ. कमला

झुंझुनू, 2 मार्चः गुजरात की राज्यपाल महामहिम डॉ. श्रीमती कमला ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वालों की बदौलत ही हम आज आजादी में खुली सांस ले रहे है। यह उन स्वतंत्रता सेनानियों का ही योगदान था जिन्होंने अंग्रेजी हुकुमत का डटकर विरोध किया और फिरंगियों की काल कोठरी में अनेक यातनाएं सहकर वे टूट गये लेकिन कभी झुके नहीं। उन्होंने कहा कि उनके योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। वे मंगलवार को जिले की खेतड़ी तहसील के अपने पैतृक गांव गौरीर में ग्रामीणों की ओर से आयोजित उनके सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनन्दन समारोह में बोल रही थी।

उन्होंने कहा कि उस जमाने में अंग्रेजी हुकुमत का विरोध करने वाले जिले के चंद किसान नेता थे, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के अपने प्राणों की बाजी लगाकर महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये अंहिसात्मक आंदोलन में योगदान देकर महात्मा गांधी के सपनों को साकार भी किया। उन्होंने कहा कि आजादी के परवानों ने जो संदेश दिया है उसे आज की युवा पीढ़ी आत्मसात करे और हम सब उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आपसी प्रेम, भाईचारा और समरसता को आगे बढ़ाने में भागीदारी दर्ज कराएं। उन्होंने जलियांवाले बाग की याद को भी तरोताजा करते हुए फिरंगियों के जुल्म-ज्यादतियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमें सबसे बड़े लोकतांत्रिक भारत देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने में भी अपनी भूमिका अदा करनी है। उन्होंने कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में अग्रणी है और विदेशी ताकतें देश के विकास की गति को अवरूद्ध करने के लिए ही आंतकवादियों से हमले करवाकर नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र एक ना एक दिन विकास के परचम को अवश्य छुयेगा। उन्होंने महिला शिक्षा की वकालत करते हुए कहा कि आजादी से पहले जहां लड़कियों को घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी उस दौरान 1936 में उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी नेतराम सिंह ने वनस्थली विद्या पीठ में शिक्षा ग्रहण करवाई। शिक्षा की बदौलत ही मैं आज इस मुकाम तक पहुंच पाई हूं। उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे लड़के-लड़की की शिक्षा में कोई भेदभाव नहीं रखें और अपने परिवार के सभी बच्चों को

उच्च शिक्षा दिलवाकर उच्च पदों पर पहुंचाने का प्रयास करें। उन्होंने बुजुर्गों का भी आह्वान किया कि वे भी परलोक जाने से पहले साक्षर बनकर निरक्षरता के कलंक को अवश्य मिटायें।

राज्यपाल ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद व्यक्तियों को दिलाने की पहल हम सभी को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर भी सभी को मिलें, ऐसे प्रयास हर स्तर पर किये जायें। उन्होंने गांव वालों का इस बात के लिए आभार व्यक्त किया कि उन्होंने जो मान-सम्मान उनकी जन्म स्थली और कर्म स्थली में दिया है, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा से झुंझुनू में नहर लाने के प्रयास में सहयोग देने का विश्वास दिलाते हुए कहा कि यहां की पेयजल आपूर्ति का समाधान तभी हो पायेगा जब इस क्षेत्र में भी नहरी पानी आयेगा। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरूआत अपने माता-पिता को नमन करके की, जबकि उद्बोधन का समापन जय हिन्द के उद्घोष के साथ किया।

गुजरात की राज्यपाल ने समारोह में अपने शिक्षा काल को रेखांकित करते हुए कहा कि जब मैं वनस्थली से मेरे घर आती थी तो गांव की महिलाएं मुझे कौतुहल के साथ देखती थी, लेकिन जब मैं उच्च शिक्षा ग्रहण करके गांव आई तो गांव वालें के आश्चर्य का कोई ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने मेरे पिता के द्वारा उस जमाने में महिला शिक्षा के लिए किये गये प्रयासों की सराहना की। डॉ. कमला राज्यपाल बनने के बाद पहली बार जब अपने घर-आंगन में पहुंची तो वे भाव विभोर होकर पुरानी यादों में खो गई।

राज्य के ऊर्जा एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि राजशाही व सामंतशाही का मुकाबला करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से युवा पीढ़ी सदैव प्रेरणा लेती रहेगी। उन्होंने महामहिम राज्यपाल के पिता स्वतंत्रता सेनानी एवं डॉ. कमला के नौ बार विधायक निर्वाचित होने और एक बार राज्य के उपमुख्यमंत्री पद को सुशोभित करने वाली राज्यपाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. कमला ने राजनीति के सफर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और इन्होंने गांव और प्रदेश के विकास में अनुकरणीय योगदान भी दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को युवा पीढ़ी आदर्श के रूप में स्वीकार करती रहेगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आज अंधा-धुंध पानी के दोहन की वजह से कुओं का जल स्तर नीचे चला गया है। जगह-जगह वृक्षों की कटाई की जा रही है। हमें इन सब को रोकना होगा। राज्य के 27 जिलों में अकाल और राज्य में बिजली का संकट भी बना हुआ है। आने वाले पांच साल में 50 करोड़ रूपये की लागत से राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए एक दर्जन सुपर थर्मल पावर स्टेशन बनाये जाएंगे। जिनके बनने से बिजली के क्षेत्र में राज्य आत्म निर्भर बन पायेगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में राज्य को

ग्यारह सौ करोड़ रूपये पेयजल के लिए दिये गये हैं। राज्य की 236 पंचायत समितियों में राजीव गांधी सेवा केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। प्रत्येक सेवा केन्द्र पर 10 लाख रूपये की लागत आयेगी। इन केन्द्रों में एक महिला को भी रोजगार दिया जायेगा। इन राजीव गांधी सेवा केन्द्रों पर टच स्क्रीन मशीन भी लगाई जायेगी।

उन्होंने बताया कि अगले तीन साल में प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर भी टच स्क्रीन मशीन लगाई जायेगी जिनसे किसान अपनी जमाबन्दी की नकले प्राप्त कर सकेंगे और इन स्थानों पर बिजली के बिल भी जमा होंगे तथा रेल का आरक्षण भी किया जा सकेगा। उन्होंने ग्रामीण विद्युतीकरण योजना में 800 फीडर बनाये जाने की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में प्रत्येक तीन ग्राम पंचायतों पर एक फीडर स्थापित किया जायेगा जिससे गांवों की विद्युत आपूर्ति में काफी सुधार होगा। उन्होंने खेतड़ी कॉलेज में सभी संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ करने और जिले के एक कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रारम्भ करने, सैनिक बाहुल्य सीकर, झुंझुनू, चूरू, नागौर आदि जिलों में मिलट्री साईस संकाय प्रारम्भ करने की बात कहते हुए कहा कि इसके खुलने से यहां के युवा सीधे सेना में उच्च पदों पर भर्ती हो सकेंगे। उन्होंने गांव की पेयजल समस्या के समधान के लिए दो नलकूप का निर्माण शीघ्र प्रारम्भ करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चालू करवाने के लिए भी राज्य के मुख्यमंत्री से चर्चा करके खुलवाने का आश्वासन दिया।

समारोह में जिला प्रमुख, डॉ. हनुमान प्रसाद, उप जिला प्रमुख विद्याधर सिंह गिल, खेतड़ी पंचायत समिति प्रधान एड़वोकेट बजरंग सिंह चारावास, स्वतंत्रता सेनानी सत्यदेव कुल्हार, एड़वोकेट रणवीर सिंह, अमर सिंह मान, ग्राम सरपंच जसवंत सिंह ने भी जिले के विकास में डॉ. कमला द्वारा दिये गये योगदान और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिले में नहर लाये जाने की पुरजोर शब्दों में मांग की।

प्रारम्भ में व्याख्याता शिवराज सिंह ने अभिनन्दन पत्र का वाचन करने के बाद राज्यपाल को भेंट किया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। प्रारम्भ में ग्रामीणों की ओर से राज्यपाल, ऊर्जा मंत्री, जिला प्रमुख व उपजिला प्रमुख सहित अन्य विशिष्ठ अतिथियों का माला एवं शॉल ओढ़ाकर तथा साफा पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह स्थल पर राज्यपाल के बड़े भाई बलबीर सिंह ने अपनी बहन का चुनड़ी ओढ़ाकर स्वागत किया।

इससे पूर्व गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में बनाये गये अस्थाई हैलीपेड़ पर जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता एवं जिला पुलिस अधीक्षक अजयपाल

लाम्बा ने राज्यपाल डॉ. कमला की अगवानी की। समारोह के बाद राज्यपाल डॉ. कमला ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी नेतराम सिंह गौरीर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करके नमन किया और घर के आंगन में गांव व परिवार की महिलाओं से आत्मीयता के साथ उनके हाल-चाल भी जानें। ग्रामीण अपने गांव की लाड़ली बेटी को राज्यपाल के रूप में देखकर फुले नहीं समा रहे थे और महिलाओं ने राज्यपाल के साथ सामाजिक रस्मों-रिवाज भी निभाये। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिहारीलाल वर्मा, खेतड़ी के उपखण्ड मजिस्ट्रेट डॉ. भागचन्द बधाल, चिड़ावा के नारायण सिंह शेषमा, खेतड़ी के पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र कुमार दीक्षित, सहायक रजिस्ट्रार विभा खेतान, रामसिंह चारावास, गोकुल चन्द सैनी, जिला रसद अधिकारी हरभजन सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.बी. सिंह, राज्यपाल की छोटी बहन शांति देवी, सुण्डाराम ओला, सत्यप्रकश मान, राज्यपाल की पुत्री अरूणिमा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, पुरूष व जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। गुजरात की राज्यपाल अपने पैतृक गांव में चार घण्टे के प्रवास के बाद पौने पांच बजे के लगभग जयपुर के लिए हेलकोप्टर द्वारा प्रस्थान कर गई।

चिकित्सा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा आज चिड़ावा आएंगे

झुंझुनू, 2 मार्चः राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा बुधवार को चिड़ावा आएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य मंत्री 3 मार्च को 11 बजे नवलगढ़ से प्रस्थान करने के बाद अपराह्न 1.30 बजे चिड़ावा पहुंचेगे जहां अभिनन्दन समारोह में भाग लेने के बाद शाम 7 बजे चिड़ावा से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

<u>प्रशासन शहरों के संग अभियानः</u> नगर परिषद द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत 3 मार्च को वार्ड संख्या 12, 13, व 14 का शिविर पंचायत समिति कार्यालय में आयोजित किया जायेगा। नगर परिषद आयुक्त श्रवण कुमार ने बताया कि पहले यह शिविर 4 मार्च को आयोजित होना था।

<u>उपभोक्ता होलसेल भण्डार की बैठक कलः</u> झुंझुनू जिला सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार की 17 वीं साधारण सभा की बैठक 4 मार्च को दोपहर 12.15 बजे भण्डार के प्रधान कार्यालय वैध विहार (गांधी चौक) में आयोजित की जायेगी। महाप्रबन्धक ने बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही के अनुमोदन के अतिरिक्त भण्डार के वर्ष 2010-11 के व्यवसायिक बजट का प्रस्तुतीकरण एवं अनुमोदन तथा भण्डार के कार्यालय के लिए शहर में भूमि क्रय करने पर विचार विमर्श किया जायेगा।